

फिर भी उनको हाजिर समझा जाये। अगर माननीय सदस्य डिटेल्स चाहते हैं तो मैं उनको दे सकता हूँ। लेकिन इम्तहान तो देना पड़ेगा। बिना इम्तहान के डिग्री कैसे दी जा सकती है।

**श्री भक्त दर्शन :** श्रीमन्, इस विवरण में बताया गया है कि विश्वविद्यालयों से इस संबंध में अनुरोध किया गया है। मैं जानना चाहता हूँ कि किसी विश्वविद्यालय ने इसको स्वीकार भी किया है या इसको अमल में भी लाया है ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** जहां तक मेरी इत्तिला है, पंजाब, दिल्ली, राजस्थान, आंध्र और पंजाबी यूनिवर्सिटी ने उचित आर्डिनंस पास कर दिये हैं ताकि उन विद्यार्थियों को सुविधा दी जा सके जोकि ग्राम कोर्सिस में पढ़ते होंगे। बाकी की यूनिवर्सिटीज अभी विचार कर रही हैं।

**श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :** क्या किसी विश्व-विद्यालय ने इस सुझाव को अस्वीकार भी किया है और यदि किया है तो किस ने ?

**डा० का० ला० श्रीमाली :** किसी यूनिवर्सिटी ने अस्वीकार नहीं किया है।

**Shrimati Savitri Nigam:** May I know whether the hon. Minister is aware that in all other countries where students attend the classes for six months they are permitted to get a certificate without appearing in the examination?

**Dr. K. L. Shrimali:** I do not know which countries the hon. Member has in mind. Other countries may do a wrong thing; we do not want to do that wrong thing here. We would like to give all possible facilities to our students to join the armed forces; at the same time, we should not give them a degree without their appearing in the examination.

**Shri Sivamurthi Swamy:** May I know whether any age-limit, maximum or minimum, has been prescribed?

**Dr. K. L. Shrimali:** No, Sir.

संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में हिन्दी

{ श्री प्रकाशचौर शास्त्री :  
श्री जगदेव सिंह सिद्धान्ती :  
\*६०६- श्री म० ला० द्विवेदी :  
श्रीमती सावित्री निगम :  
श्री स० चं० सामन्त :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) संघ लोक सेवा आयोग की उच्च परीक्षाओं में हिन्दी को भी वैकल्पिक माध्यम बनाने के राष्ट्रपति के आदेश को कहां तक क्रियान्वित किया है ; और

(ख) यदि नहीं, तो विलम्ब के क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री हजरतबीस) : (क). और (ख) राष्ट्रपति के उक्त आदेश के अनुसार हिन्दी को कुछ समय बाद एक वैकल्पिक माध्यम के रूप में लागू करना है। सरकार यह विचार कर रही है, कि राष्ट्रपति के आदेश के इस उपबन्ध को किस तारीख से लागू किया जाये।

[ (a) and (b). The Presidential Order referred to provides for the introduction of Hindi as an alternative medium after some time. Government have under consideration the date from which this provision of the Presidential Order should be brought into effect.]

श्री प्रकाशचौर शास्त्री : इस प्रश्न के 'ख' भाग में मैंने पूछा था कि इस विलम्ब के क्या कारण हैं ? दो वर्ष पूर्व राष्ट्रपति जी का आदेश इस सम्बन्ध में हो चुका है और

तब से अब तक इसको व्यावहारिक रूप न दिये जाने के कारण क्या रहे हैं ?

गृह-कार्य मंत्री (श्री लाल बहादुर शास्त्री) : प्रजीडेंट्स आर्डर में यह कहा गया था कि कुछ समय के बाद इसे किया जाए। उस में यह लिखा हुआ नहीं था कि इसको फौरन ही करना है, बल्कि यह था कि कुछ समय के बाद इसको किया जाए। उसके बाद प्रदेश सरकारों से भी शिक्षा विभाग ने राय सल.ह की, यूनियन पब्लिक सर्विस कमिशन ने भी विचार किया। इन सब बातों में भी समय लगा।

श्री प्रकाशश्री शस्त्री : सन् १९६५ के बाद भी अंग्रेजी को हिन्दी के साथ साथ सह-भाषा बनाने का जो विधेयक आप ला रहे हैं, उस समय तक इस पर निर्णय स्वगित किया जाए, क्या कोई ऐसी बात तो नहीं है, जो उसके साथ इसकी शृंखला जोड़ी जा रही हो ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : मेरे विचार से अगर थोड़ी देर और माननीय सदस्य प्रतीक्षा करे तो उचित होगा। विधेयक आने के बाद उनको मालूम हो जाएगा।

**Shri Harish Chandra Mathur:** The hon. Minister is aware that many Universities have already adopted Hindi as the medium of instruction. In such circumstances, what is the difficulty experienced either by Government or by the UPSC in permitting at least students coming from those Universities to appear in the examination with Hindi as medium?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I have in a way replied to that question. The Committee which was set up, on the basis of whose recommendations the Presidential Order was issued, wanted that hurried action should not be taken. They did suggest that it should be agreed to, but implemented at the appropriate time. We felt that we should not take some steps immediately. We do propose to take

action on the basis of those recommendations. As to when it will be done, I hope it will be decided very soon.

श्री ब० ला० द्विवेदी : इस बात को ध्यान में रखते हुये कि जिन विश्वविद्यालयों में हिन्दी को शिक्षा का माध्यम बना दिया गया है और जहाँ हिन्दी माध्यम से परीक्षाएँ लेना प्रारम्भ भी कर दिया गया है, उन विश्वविद्यालयों से निकले हुए विद्यार्थी अंग्रेजी में उतर देने में असमर्थ होते हैं और इस कारण से अनुत्तीर्ण हो जाते हैं, क्या इस पर अच्छी तरह से सरकार विचार कर रही है कि जब तक प्रेजिडेंट साहब की आज्ञा पर अमल न किया जाए, तब तक इन विश्व-विद्यालयों में हिन्दी के बजाय अंग्रेजी को शिक्षा का माध्यम बना दिया जाए ?

श्री लाल बहादुर शास्त्री : ऐसा विचार नहीं है और न में समझता हूँ मेरे सहयोगी शिक्षा मंत्री जी का ही ऐसा विचार है। बल्कि हम समझते हैं कि जिन का हिन्दी माध्यम है, वह ठीक है कि उनको हिन्दी में उतर देने में कुछ सुविधा तो अवश्य होती है, वे अंग्रेजी भी काफी जानते हैं। ऐसे प्रदेशों के विद्यार्थी अंग्रेजी भी काफी जानते हैं।

**Shrimati Savitri Nigam:** The term 'appropriate time' is sometimes very vague. May I know by what time definitely this is going to be included in the UPSC examination?

**Shri Lal Bahadur Shastri:** Hon. Member might put the question in English. but I am quite sure she understands Hindi all right.

**Shrimati Savitri Nigam:** I do so for the benefit of others.

**Shri Lal Bahadur Shastri:** I have already replied to that question when Shri Prakash Vir Shastri put a similar question and I thought she understood Hindi all right.

**श्री अ० ० शर्मा :** जब आप ऐसा विचार कर रहे हैं कि अखिल भारतीय सर्विसिस के लिये यू० पी० एस० सी० की परीक्षाओं के लिये हिन्दी में परीक्षाएँ हों, तो जो सबा-डिनेट सर्विसिस हैं सेंद्रल गवर्नमेंट की खास तौर से रेलवे एंड पी० एंड टी० की, उन में हिन्दी के माध्यम से लोगों की परीक्षाएँ क्यों नहीं होती हैं ?

**श्री लाल बहादुर शास्त्री :** इसके साथ ही साथ उस पर भी विचार करेंगे । जो निर्णय होगा, मुझे आशा है कि वह दूसरों पर भी लागू होगा ।

**श्री रघुनाथ सिंह :** एमरजेंसी कमिशन में हमारे उत्तर प्रदेश के करीब ८५ सेंकड़ा जो विद्यार्थी आए थे, वे खारिज कर दिये गये थे और अलाहाबाद में जो बोर्ड की बैठक हुई थी, उस में करीब ६५ परसेंट को बैठने से खारिज कर दिया गया था और यह इस आधार पर सब किया गया था कि उनको हिन्दी का ज्ञान था, अंग्रेजी का नहीं था क्या यह सच है ?

**प्रधान मंत्री तथा बंदेशिक कार्य मंत्री तथा प्रगु शक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू) :** माननीय सदस्य ने ८५ परसेंट और ६५ परसेंट का जो जिक्र किया है, वह शायद सही हो लेकिन यह गलत है कि उनको अंग्रेजी न जानने की वजह से खारिज किया गया । मैंने जब यह सुना तो अपनी डिफेंस मिनिस्ट्री से और चीफ आफ स्टाफ से दरियाफ्त किया । उन्होंने कहा कि अधिकतर तो कुछ जो जिस्नानां क्वालिफिकेशंस हैं, उनको पूरा नहीं करते थे, शारीरिक जो क्वालिफिकेशंस थी, उनको पूरा नहीं करते थे, इस लिये उनको खारिज किया गया । उन्होंने यह ज़रूर कहा कि अरुमर बनाने के लिये कुछ न कुछ थोड़ा सा उनको अंग्रेजी जानना चाहिये क्योंकि इसके बगैर बहुत कुछ जो फौजी किताबें बगैर हैं, उनको समझने में दिक्कत होती है ।

### Oil Supply to Nepal

**\*608. Shri Vidya Charan Shukla:** Will the Minister of Mines and Fuel be pleased to state:

(a) whether it is a fact that Nepal Government are making arrangements to import oil from Russia instead of meeting their requirements from India as at present; and

(b) the steps taken by Government to see that our traditional market is not disturbed?

**The Minister of Mines and Fuel (Shri K. D. Malaviya)** (a) Except for reports appearing in one or two papers, Government have no information concerning arrangements for the import of Russian oil into Nepal.

(b) Nepal's requirements of Motor Gasoline, Kerosene and other P.O.L. products are being met by Indian suppliers.

**Shri Vidya Charan Shukla:** May I know if the Government has made any enquiries from the oil producers in India whether the Government of Nepal have placed any orders with the producing companies here in India for their requirements for 1964-65 and the years onwards and, if so, what are their requirements for which orders have been placed in India already?

**Shri K. D. Malaviya** In the past we have been supplying petroleum products to Nepal in spite of the fact that our consumption is far exceeding our national production and we will continue to make efforts to supply whatever petroleum products are needed by Nepal. We are not aware of any particular effort made by the Nepalese to import these products from Russia. I do not think that such a need will arise because we continue to see that out of whatever we get we hold the Nepal Government so far as supplies of petroleum products are concerned.

**Mr. Speaker:** The hon. Member wanted to know whether the demands that have been made now, recently, are just similar to those that have been